हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 1 अप्रैल 2025

तापमान
अधिकतम 34.0 डिग्री
न्यूनतम 12.0 डिग्री

11 ड्रग फ्री हरियाणा के संदेश के साथ 8 को रेवाड़ी में पहुंचेगी साइकिल यात्रा

12 आज से रेवाड़ी, कोसली व बावल अनाजमंडी में शुरू होगी गेहूं की एमएसपी पर खरीद, सरसों की आवक हुई तेज

खबर संक्षेप

ट्रक की चपेट में आने से महिला घायल

धारूहेड़ा। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाइवे पर ट्रक बैक करते समय एक महिला चपेट में आकर घायल हो गई। निखरी निवासी मंजू अपने घर से खेत की ओर जा रही थी। इसी दौरान एक ट्रक कट छोड़कर आगे निकल गया। ट्रक चालक ने हाइवे पर ही ट्रक बैक करना शुरू कर दिया। ट्रक बैक करते समय वह उसकी चपेट में आ गई। सड़क पर गिरकर वह घायल हो गई। परिवार के सदस्यों ने उसे इलाज के लिए प्राइवेट अस्पताल में दाखिल कराया। चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चालक की तलाश शुरू कर दी।

मारपीट के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। पुलिस ने मेन बाजार में मारपीट करने और जाने से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपियों को काबू किया है। मारपीट में घायल के बयान पर पुलिस ने गत वर्ष 8 दिसंबर को कई लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने मामले की जांच करने के बाद मेन बाजार निवासी तुषार और दयाराम नगर में रहने वाले मूल रूप से महेंद्रगढ़ के धनौंदा निवासी जगरतन को इस मामले में काबू कर लिया। दोनों को तफ्तीश में शामिल करते हुए पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

खेतों के पास खड़ी बाइक ले गए चोर

बावल। काठूवास में चोर खेतों के पास खड़ी एक बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में रणजीत ने बताया कि वह मजदूरी का कार्य करता है। गांव निवासी मनोज के खेत में फसल कटाई करने के लिए वह बाइक लेकर गया था। खेत से कुछ दूरी पर उसने बाइक एक मकान के पास खड़ी की थी। कटाई का कार्य करने के बाद जब वह वापस आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। कसोला पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद बाइक की तलाश शुरू कर दी।

एक माह से लापता युवक का सुराग नहीं

डहीना। गांव से गत 24 फरवरी को लापता हुए 32 वर्षीय युवक का कोई सुराग नहीं मिला है। पुलिस शिकायत में रामफल ने बताया कि उसका बेटा अनिल कबाड़ी का कार्य करता है। वह घर से कबाड़ खरीदने के लिए गया था। वह वापस नहीं आया। उसने व परिवार के सदस्यों ने अनिल का पता लगाने के लिए काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। डहीना पुलिस चौकी ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद युवक की तलाश शुरू कर दी।

सड़क हादसे का आरोपी गाड़ी चालक गिरफ्तार

रेवाड़ी। सदर थाना पुलिस ने गत 24 मार्च को दर्ज मामले में सड़क हादसे के आरोपी वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया। इस हादसे में एक युवक घायल हो गया था। घायल को आसपास के लोगों ने ट्रॉमा सेंटर में दाखिल कराया था। पुलिस ने घायल के बयान पर केस दर्ज करने के बाद वाहन चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू किए थे। जांच के बाद सदर थाना पुलिस ने गोकलगढ़ निवासी वाहन चालक राजेश को गिरफ्तार कर लिया।

घर के बाहर खड़ी ट्रैक्टर की ट्रॉली चोरी

कुंड। खोल गांव से चोर एक घर के बाहर खड़ी ट्रैक्टर की ट्रॉली चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में कुलदीप ने बताया कि उसने 28 मार्च की रात को अपने ट्रैक्टर की ट्रॉली घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह उठकर बाहर निकला तो उसे ट्रॉली नहीं मिली। अपने स्तर पर काफी तलाश करने के बाद भी उसकी ट्रॉली का कोई पता नहीं चला। उसने ट्रॉली छूछकवास से बनवाई थी, जिस पर मनोज लिखा हुआ है।

बीते साल भारी गर्मी ने उड़ा दी बिजली निगमों की नींद

इस बार गर्मी में एक करोड़ यूनिट के पार होगी खपत ओवरलोडिंग को देखते हुए बिजली निगम अलर्ट

- करंट ट्रांसफार्मर बचाने के लिए लगाने पड़ गए थे कूलर

नरेन्द्र वत्स ▶▶| रेवाड़ी

मार्च माह के अंतिम सप्ताह के शुरू में बढ़े तापमान ने बिजली निगमों को अभी से अलर्ट कर दिया है। बीते साल की तरह इस बार भी जून-जुलाई माह में गर्मी के तेवर उग्र हुए, तो बिजली निगमों को करंट ट्रांसफार्मर बचाने के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

इसके लिए खासतौर पर हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बार गर्मी के मौसम में बिजली की मांग 1 करोड़ यूनिट के पार जाने की संभावना है, इसलिए बढ़ी हुई खपत की संभावनाओं को ध्यान में रखकर निगम तैयारी कर रहा है। मई 2024 में तापमान 44 डिग्री के पार जाने के बाद बिजली निगमों को ट्रांसफार्मर बचाने और उपभोक्ताओं को बिजली संकट से उबारने में ज्यादा पसीना बहाना पड़ा था। कई पावर सब स्टेशनों में अधिक तापमान के कारण ट्रांसफार्मरों के फॉल्ट होने की संभावनाएं बन गई थीं। निगम कर्मियों ने कूलर लगाकर ट्रांसफार्मरों को ठंडा किया था, ताकि उपभोक्ताओं को भारी गर्मी में निर्बाध रूप से बिजली मिलती रहे। इस साल गर्मी के सीजन में अधिकतम 99.5 लाख यूनिट की बिजली आपूर्ति की गई थी। कई सब स्टेशनों में बिजली ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो गए थे, जिन्हें बचाने के लिए निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा था। इस बार मार्च माह के अंत में ही जून में पड़ने वाली भारी गर्मी के संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। इस समय बिजली की खपत 55 से 60 लाख यूनिट के आसपास चल रही है। अगर समय पर बरसात नहीं होती है, तो तापमान बढ़ने की सूरत में इस बार बिजली की खपत प्रतिदिन 1.05 करोड़ यूनिट का आंकड़ा भी पार सकती है।

ऐसे में उपभोक्ताओं को पावर कटों से बचाने के लिए एचवीपीएन और डीएचबीवीएन दोनों निगमों के इंजीनियर अभी से तैयार कर रहे हैं। डीएचबीएन की ओर से भी प्री-मानसून बिजली की लाइनों की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया है। साथ ही लाइनों के पुराने तारों को बदला जा रहा है, ताकि तापमान बढ़ने पर लाइन फॉल्ट की संभावना को कम किया जा सके।

रेवाड़ी। गत वर्ष सीटी को ठंडा करने के लिए लगाए गए कूलर का फाइल फोटो, बिजली की लाइन पर मेंटिनेंस कार्य करते हुए एक निगम कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

चुनौती से निपटने के लिए निगम तैयार

गत वर्ष तापमान ज्यादा बढ़ गया था। कई सीटी पर फेल होने की आशंका पैदा हो गई थी। इन्हें ठंडा रखने के लिए कूलरों का इस्तेमाल किया गया था। इस बार लोड 5 फीसदी तक बढ़ने का अनुमान है, जिस कारण अभी से गर्मी के सीजन की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

-संजय यादव, एक्सईएन, एचवीपीएन।

एचवीपीएन की चुनौती ज्यादा बड़ी

बिजली वितरण का जिम्मा जहां दक्षिणी हरियाणा बिजली निगम का है, वहीं संप्रेषण का कार्य एचवीपीएन संभालता है। 33 केवी क्षमता से ज्यादा कैपेसिटी वाले पावर सब स्टेशन का संचालन एचवीपीएन के हाथों में है। तापमान बढ़ने की स्थिति में सबसे अधिक खतरा इन एचवीपीएन के सब स्टेशनों में लगे करंट ट्रांसफार्मरों के ज्यादातर ट्रांसफार्मर 16 एमवीए क्षमता के हैं, जिनसे कई फीडरों को ट्रांसफार्मरों को भारी गर्मी में सुरक्षित रखने की चुनौती बड़ी होती है।

लोड शिफ्ट करने की रूपरेखा तैयार

एचवीपीएन की ओर से गर्मी के सीजन को देखते हुए लोड शिफ्ट करने की तैयारी शुरू कर दी है। डीएचबीवीएन और एचवीपीएन के सब स्टेशनों पर ट्रांसफार्मरों पर आधारित लोड का सर्वे कराया जा रहा है, ताकि समय रहते ओवरलोड ट्रांसफार्मरों का लोड अंडरलोड ट्रांसफार्मरों पर शिफ्ट किया जा सके। निगमों के पास ट्रांसफार्मरों की कोई कमी नहीं है, परंतु बड़े ट्रांसफार्मर जलने या खराब होने की सूरत में उन्हें बदलना आसान नहीं होता। इस प्रक्रिया में काफी समय भी लग जाता है।

ट्रांसफार्मरों की मेंटिनेंस पर भी जोर

एचवीपीएन ने अभी से बड़े सब स्टेशनों के करंट ट्रांसफार्मरों की मेंटिनेंस कराना शुरू कर दिया है। हाल ही में डहीना सब स्टेशन के एक ट्रांसफार्मर की मेंटिनेंस का कार्य पूरा किया गया है। निगम ने भारी गर्मी के समय ट्रांसफार्मरों को ठंडा करने के कूलरों की समुचित व्यवस्था भी कर ली है। लोकल टीमों से फीडबैक लिया जा रहा है, ताकि समय रहते ओवरलोडिंग की समस्या को खत्म किया जा सके। निगमों में उन तमाम उपकरणों को भी दुरुस्त करना शुरू कर दिया है, जो तापमान बढ़ने पर ट्रांसफार्मरों को बचाने में सहायक साबित होते हैं।

एचवीपीएन के ट्रांसफार्मरों की स्थिति एक नजर में

वोल्टेज लेवल	कैपेसिटी	संख्या
120/132 केवी	500 एमवीए	5
220/66 केवी	200 एमवीए	2
220/33 केवी	500 एमवीए	5
132/33 केवी	536 एमवीए	16
132/11 केवी	252 एमवीए	14
66/33 केवी	20 एमवीए	1
66/11 केवी	79.5 एमवीए	4

आउटर बाईपास रोड की हालत दयनीय सुध नहीं ले रहे संबंधित विभाग

- पटौदी रोड रेलवे फाटक के पास हालात ज्यादा खराब, हर समय बनी रहती है हादसों की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

आउटर बाईपास की दुर्दशा के कारण इस रोड से गुजरने वाले वाहन चालकों को हर समय हादसों की आशंका बनी रहती है। पटौदी रोड रेलवे फाटक के पास सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी है, परंतु संबंधित विभाग शायद बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। राव अभयसिंह चौक से लेकर झज्जर रोड से नारनौल रोड को मिलाने वाले बाईपास रोड की हालत कई जगह खस्ताहाल बनी हुई है। दिल्ली रेलवे लाइन पर बने डबल फाटक के आसपास रोड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका है। सउक पर मोटे गड्ढों के कारण वाहन हादसों का शिकार हो सकते हैं। बरसात के समय इन गड्ढों में पानी एकत्रित हो जाता है, जिस कारण दुपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार बन जाते हैं। प्रजापति चौक के आगे रेलवे फाटक तक कई जगह मोटे गड्ढे बने हुए हैं। पटौदी रोड से झज्जर रोड तक भी बाईपास का बुरा हाल है। यह रोड एचएसआरडीसी का बनाया हुआ है। काफी समय से इसकी मरम्मत नहीं हुई है।

रेवाड़ी। पटौदी रोड रेलवे फाटक के पास टूटी बाईपास सड़क। फोटो :हरिभूमि

झज्जर रोड चौराहे पर बुरा हाल

झज्जर रोड पर नारनौल रोड व पटौदी रोड को मिलाने वाला चौराहा बनता है। यहां सड़क बुरी तरह टूटकर खंडित हो चुकी है। रात के समय टूटे रोड पर हादसों की आशंका ज्यादा बनी रहती है। एचएसआरडीसी ने नारनौल रोड तक बाईपास की मरम्मत कुछ समय पहले ही कराई थी, लेकिन कई स्थानों पर यह रोड टूट चुका है। रोड से रोजाना हजारों वाहनों का आवागम होता है, जिससे यहां खतरों की आशंका बनी रहती है। विभाग एचएसआरडीसी के एक्सईएन सोमबीर दहिया का कहना है कि टूटी सड़क की पहचान की जा चुकी है। जल्द ही इसकी मरम्मत का कार्य शुरू कराया जाएगा।

चोरी का डीजल ले जाते एक आरोपी गिरफ्तार

- आरोपी के खिलाफ चोरी और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

कसोला पुलिस ने जलियावास के पास पिकअप गाड़ी में टैंकरों से चोरी किया हुआ डीजल ले जाते हुए एक आरोपी को काबू किया है। गाड़ी से डीजल के पांच ड्रम बरामद किए गए हैं। आरोपी के खिलाफ चोरी और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गुजरीवास निवासी विनोद कुमार टैंकरों से चोरी होने वाला डीजल खरीदता है। इसके बाद उसे राजस्थान में महंगे दामों पर बेचता है। वह एक पिकअप गाड़ी में तेल बेचने के लिए जा रहा है। सूचना मिलने के बाद कसोला पुलिस ने जलियावास के निकट नाकेबंदी कर दी। जलियावास की ओर आ रही पिकअप गाड़ी को रुकने का इशारा किया तो चालक ने गाड़ी भगाने का प्रयास किया। पीछा करते हुए पुलिस ने गाड़ी को काबू कर लिया।

गाड़ी चालक ने अपना नाम विनोद कुमार बताया। उसमें पांच ड्रम डीजल भरा हुआ था। पुलिस ने खाद्य एवं आपूर्ति निरीक्षक सतेंद्र कुमार को मौके पर बुलाकर डीजल की सैंपलिंग कराई गई।

टैंकरों से लगातार हो रही तेल की चोरी

करनावास में आईओसी, बीपी व रिलायंस कंपनियों के तेल डिपो हैं। इन डिपो से प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में डीजल व पेट्रोल की आपूर्ति होती है। रोजाना हजारों की संख्या में टैंकर यहां से तेल लेकर जाते हैं। पंजाब तक तेल की आपूर्ति होती है। कई टैंकर चालक डिपो से तेल लेने के बाद लोकल लोगों को तेल बेचने का काम करते हैं। तेल के खरीददार इन टैंकरों से सस्ता पेट्रोल व डीजल खरीदते हैं। इसके बाद इस तेल को राजस्थान के सीमावर्ती इलाकों में महंगे दामों पर बेचा जाता है। सोमवार को एसएचओ मॉडल टाउन ने डिपो के आसपास रेड की, तो धंधे में लिप्त कई आरोपी पुलिस देखकर मौके से भाग गए। तेल से भरी पिकअप पकड़ने का एक पखवाड़े में यह दूसरा मामला सामने आया है।

बाइक चोरी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। वर्ष 2023 में अहीर कॉलेज की पार्किंग से बाइक चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को काबू किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। 25 जुलाई 2023 को भाड़ावास गेट पुलिस चौकी को दर्ज शिकायत में राजस्थान के कर्मपुर निवासी लक्ष्य ने बताया था कि वह अहीर कॉलेज में पढ़ता है। घर से बाइक लेकर वह कॉलेज आया था। बाइक पार्किंग में खड़ी करने के बाद वह कक्षा में चला गया। वापस आने पर उसे बाइक गायब मिली। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। बाद में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में बेरली खुर्द निवासी जयगुरदेव प्रसाद सिंह को भी काबू किया गया है।

मौसम के तेवर फिर होने लगे तल्ख, 1.5 डिग्री सेल्सियस चढ़ा दिन का पारा

रेवाड़ी। मार्च माह के अंतिम दिन पारा एक बार फिर चढ़ गया, जिससे दिन के समय गर्मी ने जमकर परेशान किया। रात का तापमान स्थिर रहने के कारण सुबह के समय मौसम ठंडा बना रहता है, परंतु मंगलवार से रात का पारा भी चढ़ना शुरू हो सकता है। 3 अप्रैल को मौसम में परिवर्तन आने की संभावना है। बीते सप्ताह तापमान 39 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के कारण लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा था। सप्ताह के अंत में तापमान में गिरावट से मौसम एक बार फिर से अनकूल हो गया था। दो दिन से तापमान बढ़ना शुरू हो गया है। सोमवार को अधिकतम तापमान 1.5 डिग्री बढ़कर 34 डिग्री पर आ गया। न्यूनतम तापमान 12.0 डिग्री पर स्थिर रहा। सुबह से ही आसमान साफ रहने के कारण दोपहर तक मौसम का मिजाज गर्म हो गया। एक बार फिर एसी का उपयोग बढ़ गया। रात का पारा डाउन रहने से लोगों को अभी रात के समय राहत मिली हुई है। अगले दो-तीन दिन में रात का पारा भी चढ़ना शुरू हो सकता है। न्यूनतम तापमान में कमी के कारण सुबह के समय मौसम ठंडा बना रहता है। मौसम विभाग के अनुसार कमजोर विक्षोभ के सक्रिय होने से आगामी वीरवार को एक बार फिर से मौसम में बदलाव आ सकता है। इस दौरान आसमान में आंशिक या घने बादल छा सकते हैं। तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी होने की भी संभावना है। इस दौरान कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसके बाद कुछ दिनों तक मौसम साफ रहेगा। सप्ताह के अंत तक तापमान 40 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है, जिससे गर्मी लोगों के पसीने छुड़ाना शुरू कर देगी।

रेवाड़ी। एक खेत में फसल कटाई में जुटे किसान।

बढ़ने लगी बिजली की मांग

इस समय फसल कटाई का कार्य तेजी से चल रहा है। कृषि क्षेत्र में बिजली की मांग कम हो गई है। घरेलू क्षेत्र में तापमान के साथ बिजली की मांग भी बढ़ने लगी है। लगभग 5 लाख यूनिट तक बिजली की खपत बढ़ी है, जिसके आने वाले दिनों में और बढ़ने के आसार हैं। पर्याप्त उपलब्धता के चलते अभी लोगों को पावर कटों का सामना नहीं करना पड़ रहा। सरसों की कटाई का कार्य अंतिम चरण में चल रहा है, गेहूं की कटाई का कार्य तेज हो गया है। मौसम गर्म होने के कारण गेहूं की पछेती फसल भी तेजी से कटाई के लिए तैयार होगी।

कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने संगीत की धुन पर नृत्य कर सभी को भाव विभोर किया

प्रोडिजी स्कूल के नौनिहालों ने वार्षिकोत्सव में बिखेरे जीवन के रंग

- मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

विधायक लक्ष्मण यादव ने कहा कि हम सभी का आधार सनातन है और भारत के गौरव की रक्षा करना सभी का धर्म है। विधायम सेक्टर-4 स्थित प्रोडिजी स्कूल के वार्षिकोत्सव सौरंग में अभिभावकों एवं शिक्षकों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में नन्हे बच्चों ने राग-संगीत की धुन पर नृत्य कर सभी को भाव विभोर किया। इस मौके पर मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे प्री नर्सरी से पांचवी कक्षा तक के बच्चों ने कार्यक्रम में राग, संगीत व नृत्य के विभिन्न रंग बिखेरे।

मुख्य अतिथि लक्ष्मण सिंह ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। उन्होंने प्रबंधन समिति के प्रधान प्रदीप जैन, उपप्रधान राकेश जैन, सचिव अमित जैन, प्रबंधक मोहित जैन, कोषाध्यक्ष सचिन जैन, कार्यकारिणी सदस्य अनुज जैन, भारत जैन, पलका जैन, प्रद्युम्न जैन, जैन समाज के प्रधान महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष अजय जैन के साथ मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षक बच्चों के रूप में राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं, वे शिक्षकों का सम्मान कर नए भारत के निर्माण में सहयोग करें। विद्यालय प्रभारी उप प्रधानाचार्य विजय गुप्ता ने विद्यालय की उपलब्धियों से अवगत कराया। नन्हे बच्चों ने राग यमन से बॉलीवुड के प्रसिद्ध गीतों पर जमकर नृत्य किया। मंच संचालन में नन्हे बच्चों कोनिक, भानवी, कायरा, ख्याति, हितार्थ व यौनित ने शिक्षिका ईशा चंद का साथ दिया। प्रधानाचार्या सोनल छाबड़ा, विद्यालय के मीडिया प्रभारी गोपाल, आरडब्लूए के पदाधिकारी, शशांक जैन व संदीप जैन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। जैन समाज के प्रधान महेंद्र जैन ने सभी का आभार जताया।

रेवाड़ी। वार्षिकोत्सव में डांस करते हुए बच्चे, मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान करते विधायक व अन्य। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि
सहेली

हमारा शारीरिक ही नहीं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी बहुत जरूरी है। जब हम महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य की बात करते हैं तो आज की जीवनशैली में अधिकांश महिलाएं कई तरह की मनोवैज्ञानिक समस्याओं से घिरकर मानसिक रूप से अस्वस्थ रहती हैं। समय रहते इन्हें समझना बहुत जरूरी है, क्योंकि इसके घातक परिणाम हो सकते हैं। आजकल महिलाएं किन मानसिक समस्याओं से घिरती हैं, इनके शुरुआती लक्षण क्या हैं, बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखें? विशेषज्ञ की जरूरी सलाह।

मन को न रखें बीमार रहें हमेशा खुश

कवर स्टोरी

डॉ. विपुल रस्तोगी
सीनियर कंसल्टेंट-साइकेट्रिस्ट

हम अपने शारीरिक स्वास्थ्य के लिए तो चिंतित रहते हैं, लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पर अकसर ध्यान नहीं देते, जो बहुत जरूरी है। दरअसल, समय के साथ समाज बदल रहा है। आज के इस बदलते दौर में लोगों की व्यस्तता बहुत ज्यादा बढ़ चुकी है। लोगों के पास अपने परिवार के सदस्यों तक के लिए समय नहीं रहता। ऐसी जीवनशैली के प्रभाव से महिलाएं भी अछूती नहीं हैं। जहां एक ओर होममेकर्स पर खुद को ऑलराउंडर साबित करने का सामाजिक दबाव रहता है, वहीं काम-काजी महिलाओं के सामने घर और ऑफिस की दोहरी जिम्मेदारी और खुद को बेहतर साबित करने की चुनौती होती है। दोहरी जिम्मेदारियां निभाते हुए वे शारीरिक और मानसिक थकान से जूझ रही होती हैं। घर और बाहर की जिंदगी के बीच संतुलन स्थापित करने की कोशिश में वे दिन-रात जुटी रहती हैं। इसी दबाव की वजह से हमेशा उनका मन अशांत और उदास रहता है, वे स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की शिकार हो जाती हैं। यहां हम जानते हैं, कुछ ऐसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं के बारे में, जिनकी गिरफ्त में आकर अधिकांश महिलाएं परेशान रहती हैं साथ ही यह भी जानते हैं कि इनसे कैसे उबरें-

मेंटल स्ट्रेस: पुराने समय की तुलना में आज की महिलाओं का जीवन ज्यादा मुश्किलों से भरा है। संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं, शहरों में न्यूक्लियर फैमिलीज की संख्या बढ़ती जा रही है। खासतौर पर महानगरों की संस्कृति ऐसी है कि वहां के अपार्टमेंट्स में रहने वाले लोग अपने पड़ोसियों से ज्यादा मिलना-जुलना पसंद नहीं करते। ऐसी स्थिति में होममेकर्स के आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होता, जिसके साथ वे अपने मन की बातें शेयर कर सकें, ऐसे में उनका तनाव बढ़ने लगता है। मनासिक तनाव की स्थिति में ब्रेन से कार्टिसोल नामक हार्मोन का सिक्रीशन बढ़ने लगता है, जो तनाव बढ़ाता है।

प्रमुख लक्षण: उदासी, चिड़चिड़ापन, थकान, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कार्य क्षमता का घटना और मामूली बातों पर निराश हो जाना, मेंटली स्ट्रेस्ड होने के प्रमुख लक्षण हैं। ऐसी स्थिति में कई बार अनिद्रा, सिर या हाथ-पैरों में दर्द, भोजन में अरुचि होना और पाचन में गड़बड़ी जैसे शारीरिक लक्षण भी नजर आते हैं।

बचाव-उपचार: नए लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, प्रियजनों के साथ दिल की बातें शेयर करें, म्यूजिक सुनने, बागवानी या स्पोर्ट्स जैसी एक्टिविटीज में अपनी सक्रियता बढ़ाएं। नियमित रूप से योगासन और प्राणायाम करें। अपनी कार्यक्षमता की सीमाएं पहचानें और जो कार्य बहुत ज्यादा मुश्किल हों, उसके लिए न कहना सीखें। सही ढंग से टाइम मैनेजमेंट करते हुए अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अगर इन प्रयासों के बावजूद तनाव कम न हो तो मनोवैज्ञानिक सलाहकार से संपर्क करें। वे कॉग्नेटिव बिहेवियर थेरेपी की मदद से इस समस्या का समाधान करेंगे।

एंग्जायटी: यह ऐसी मनोदशा है, जिसमें व्यक्ति को अत्यधिक चिंता, डर या बेचैनी महसूस होती है। वर्तमान दौर में घर और बाहर की दोहरी जिम्मेदारियां, जीवन के हर क्षेत्र में खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने की होड़, बच्चों की परवरिश से जुड़ी चुनौतियां और लोन की ईएमआई चुकाने की चिंता जैसी परेशानियों के कारण आजकल महिलाओं में एंग्जायटी की समस्या तेजी से बढ़ रही है। खान-पान की गलत आदतों के कारण होने वाले हार्मोन संबंधी असंतुलन को भी इसके लिए जिम्मेदार माना जाता है।

प्रमुख लक्षण: मन में बार-बार नकारात्मक विचार आना, हमेशा सशंकित रहना, वर्तमान को छोड़कर भविष्य के बारे में लगातार सोचते रहना, खुद को लाचार महसूस करना, दिल की धड़कन का तेज होना, पसीना आना, अनावश्यक थकान और सांस लेने में तकलीफ होना।

बचाव-उपचार: सोने-जागने का समय सुनिश्चित करें, जब मन परेशान हो तो गहरी सांस लें, योग और ध्यान करें, करीबी लोगों के साथ इस समस्या के बारे में खुलकर बातचीत करें, हमेशा अच्छा सोचें और मोटिवेशनल किताबें पढ़ें। इन प्रयासों के बावजूद अगर आपकी मनोदशा में कोई बदलाव न आए तो एक्सपर्ट से सलाह लें। काउंसलिंग और दवाओं की मदद से यह समस्या दूर हो जाती है।

डिप्रेशन: अगर किसी व्यक्ति के मन में उदासी और खालीपन की भावना लंबे समय तक बनी रहे तो ऐसी मनोदशा को डिप्रेशन कहा जाता है। आजकल महिलाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। खासतौर पर डिलीवरी के बाद हार्मोन संबंधी असंतुलन, नवजात शिशु की देखभाल की वजह से दिनचर्या में अचानक आने वाला बदलाव, नींद की कमी और करियर की चिंता के कारण अधिकतर महिलाओं को अवसाद का सामना करना पड़ता है। इस तरह की समस्या को पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहा जाता है। इसी तरह आजकल मिडिल एज महिलाओं में भी डिप्रेशन के लक्षण नजर आते हैं, क्योंकि उम्र के इस दौर में अधिकतर परिवारों की युवा संतानें उच्च शिक्षा या जॉब की वजह से घर से दूर चली जाती हैं। पति अपनी प्रोफेशनल लाइफ में बिजी रहते हैं, ऐसी स्थिति में अकेलेपन की वजह से महिलाओं के मन में गहरी उदासी की भावना घर कर जाती है। ऐसी मनोदशा को एंप्टीनेस सिंड्रोम कहा जाता है।

लक्षण: हमेशा अकेलापन और खालीपन महसूस करना, ज्यादा सोना या अनिद्रा, ओवर ईटिंग या भूख न लगना, अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में भी दिलचस्पी कम होना, निर्णय लेने में कठिनाई महसूस होना, मन में हीन भावना पैदा होना, आत्मविश्वास में कमी महसूस होना।

बचाव-उपचार: अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें, खुशमिजाज लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, कॉमेडी शोज देखें, मॉर्निंग वॉक और एक्सरसाइज करें, बच्चों के साथ वक्त बिताएं, पर्यटन स्थलों पर घूमने-फिरने जाएं, धार्मिक गतिविधियों में शामिल हों, बागवानी करें या घर में कोई पालतू जानवर रखें, फोन पर दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ गपशप करें। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास डिप्रेशन दूर करने में मददगार होते हैं। जरूरत महसूस होने पर साइकेट्रिस्ट से सलाह लें। उपचार की मदद से इस समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है।

प्रस्तुति: विनीता

थोड़ा फूल बनकर-थोड़ा बनाकर हंसिए खुलकर

इस आपा-धापी भरी जिंदगी में जब भी हंसने-हंसाने का मौका मिले, चूकना नहीं चाहिए। फर्स्ट अप्रैल यानी फूल-डे जैसे अवसर पर फूल बनने या बनाने का मौका बिल्कुल भी नहीं छोड़ना चाहिए।

एंज्वॉयमेंट

चेतना झा

मेरे दिलवर, यह खत पाकर तुम शायद चौंक जाओ! चौंकने की बात भी है! मोबाइल कॉल, व्हाट्सएप, मैसेंजर के जमाने में खत! फ्रोजन शोल्डर, बढ़ी तोंद और सफेदी झांकते बाल के दौर में प्रेम पत्र! सच पूछो तो बस पंद्रह साल की देर हुई। यह खत तो तुम तक तभी पहुंचना था, जब कॉलेज में मेरी बेंच के पीछे तुम बैठा करते थे। याद है ना, दो चोटी वाली वह लड़की! नहीं याद आई? चलो और बताती हूं, वही जो तुम्हें कभी-कभी चोर निगाहों से देख लिया करती थी। अब भी नहीं पहचाने? ओह, वही जिसके नाक अकसर सुड़कती रहती थी। अब तो मैं तुम्हारे पड़ोस में आ गई हूं। खत मिलते ही छत पर चले आना, मैं तुम्हें सामने की बालकनी में दिखूंगी। तुम्हारी प्रतीक्षा में...

-तुम्हारी प्रिया

सुबह अखबार उठाने के लिए मेन गेट तक आए सौरभ ने जब गुलाबी लिफाफे में यह खत देखा तो चौंककर वह आस-पास देखने लगा। मन ही मन सोचने लगा, 'किसी ने देखा तो नहीं। किसने भेजा यह खत? कॉलेज के दिनों की ऐसी किसी लड़की का तो मुझे याद ही नहीं। चलो एकांत में आज कॉलेज के साथी दुर्गेश से इसकी चर्चा करता हूं। शायद उसे याद हो।' पत्नी सोनम खिड़की से चिंतामग्न पति को देख कर मंद-मंद मुस्कुरा रही थी। भीतर आने पर चाय का प्याला पकड़ा कर शर्ट की पॉकेट से झांकते गुलाबी लिफाफे के बारे में पूछा तो पति महोदय घबरा उठे, 'कुछ नहीं.. कुछ नहीं... पेपर में आज विज्ञापन का पन्ना था, सो वही है।' अनमने ढंग से चाय पीते पति और उन्हें देख मुस्कुराती रही पत्नी। आज की सुबह तो वाकई खास थी। तभी पति कुर्सी पर से उठे तो पत्नी ने पूछा, 'कहां चल दिए, छत पर? उस दो चोटी वाली और नाक सुड़काने वाली प्रियतमा से मिलने!' पति अकबकाए खड़े और पत्नी हंसते-हंसते दोहरी होती जा रही। फिर बोली, 'अप्रैल फूल बनाया तो उनको...!' अब तो पति भी हंसते-हंसते बेहाल।

थोड़ा बनिए-थोड़ा बनाइए: बेशक अपनों के साथ हंसी-मजाक के लिए किसी विशेष दिन की दरकार नहीं होती। साथ ही अपनों को मूर्ख बनाने के संग, उनसे मूर्ख बनने का भी अपना एक अलग मजा है। ऐसे में अगर बात मूर्ख दिवस यानी फर्स्ट अप्रैल की आती है तो वैसा ही लाइसेंस-सा मिल जाता है, जैसा अभी-अभी बीते त्योहार होली में रंग लगाने पर मिला था 'बुरा ना मानो होली है...!'

तो तैयार हो जाइए, थोड़ा फूल बनाइए, थोड़ा बनिए और जिंदगी में फूलों सी मुस्कान बिखेरिए।

रिश्तों का रिफ्रेश बटन: गंभीरता का लबादा उतार कर अपनों के साथ की गई मीठी शरारतें यकीनन आपके रिश्तों पर रिफ्रेश बटन दबाने सरीखी होंगी। अप्रैल फूल बनने-बनाने के लिए एक दिन तो सीमाओं को तोड़िए, कभी कलीग से तो कभी दोस्तों से कुछ ऐसी चुहल कर अंत में बोलिए, 'अप्रैल फूल!' इसके बाद वो तो लंबे समय तक आपका नाम सामने आते ही मुस्करा देंगे, 'अरे वो...!' सिर्फ दोस्तों के साथ ही नहीं, अपने माता-पिता के साथ भी ऐसा कीजिए।

मुस्कुराहट का कार्यस्थल: थोड़ी शरारत तो कलीग्स से भी बनती है। एक बार ऑफिस ग्रुप में सबको भेज दीजिए, जल्दी आने और मीटिंग की सूचना और खुद आप आइए इत्मीनान से और फिर कहिए, वही, 'अप्रैल फूल बनाया...!' किसी कलीग की पीठ पर 'किक मी' का मैसेज लगाकर देखिए। पूरा ऑफिस मुस्कुराता काम करेगा, इस दिन। क्रीमी बिस्किट की क्रीम हटा कर उसमें टूथपेस्ट सजाना, कंप्यूटर के पास नकली गिरगिट या सांप रख देना...! आइडिया तो बहुत हैं, आपको ही ढूंढ़ना होगा।

सजेशन

ललिता गोयल

न्यूट्रिशस डाइट से आप रहेंगी मेंटली हेल्दी

मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए जीवनशैली में जरूरी बदलावों के साथ ही आपको अपनी डाइट पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर आपका मूड स्विंग होता है, आप अकसर तनावग्रस्त रहती हैं या बेवजह डिप्रेशन फील करती हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि आप किसी तरह के मानसिक रोग का शिकार हैं। हो सकता है, आपके शरीर में कुछ पोषक तत्वों की कमी की वजह से आपको इन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हो। यह समझना बहुत जरूरी है कि बेहतर मेंटल हेल्थ के लिए हेल्दी खान-पान भी जरूरी होता है। कुछ फूड्स हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर करने में मददगार होते हैं।

साबुत अनाज: साबुत अनाज जैसे कि कॉर्न, बारले और क्विनोआ, ओट्स, बींस, सोया अपनी डाइट में शामिल करने से ओवरऑल मेंटल हेल्थ बेहतर होती है। ये अनाज डिप्रेशन, एंग्जायटी से बचाव में भी मदद करते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां: भोजन में पालक और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से मेंटल हेल्थ को लाभ मिलता है। इन पत्तेदार सब्जियों में ओमेगा 3 फैटी एसिड, मैग्नीशियम और आयरन जैसे महत्वपूर्ण न्यूट्रिएंट्स भी पाए जाते हैं, जो मेंटल हेल्थ के लिए काफी जरूरी होते हैं।

बेरीज: एक रिसर्च के अनुसार बेरीज खाने से मूड बेहतर करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही ये डिप्रेशन के लक्षणों को भी कम करता है।

सूखे मेवे: सूखे मेवे जैसे कि काजू, बादाम, अखरोट, किशमिश और सीड्स जैसे चिया सीड्स में ओमेगा 3 फैटी एसिड एवं अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये मूड और मेंटल हेल्थ को बेहतर करने में मदद करते हैं।

टमाटर: टमाटर में मौजूद फाइटोन्यूट्रिएंट लाइकोपीन, अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी दिमाग से जुड़ी बीमारियों से बचाव करने में मदद करता है। इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

केला: केले में विटामिन-बी 6 पाया जाता है, जो दिमाग के न्यूरोट्रांसमीटर सेरोटोनिन और डोपामाइन का संचार बढ़ाता है। इससे मूड अच्छा होने में मदद मिलती है।

(डायटीशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

हेयर केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

अगर आप डेंड्रफ की प्रॉब्लम से परेशान हैं तो दवाइयों या केमिकल बेस्ड कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स की बजाय कुछ होम रेमिडीज अप्लाई कर सकती हैं। ये रेमिडीज आप बहुत आसानी से घर में कर सकती हैं और इसके बहुत अच्छे परिणाम आते हैं।

क्या आप डेंड्रफ से हैं परेशान अप्लाई करें ये होम रेमिडीज

सिर के बालों में डेंड्रफ यानी रूसी होना कॉमन प्रॉब्लम है। मौसम कोई भी हो, बालों में रूसी की समस्या कुछ लोगों को बहुत परेशान करती है। आयुर्वेद के अनुसार पित्त और कफ के असंतुलित हो जाने के कारण यह समस्या होती है। हमारे शरीर में उपस्थित कफ और वात के असंतुलित हो जाने पर यह रक्त में मिलकर खून को गंदा कर देते हैं। यही सिर के रोम छिद्र को बंद कर देते हैं। जिससे सिर की त्वचा रूखी होने लगती है और सिर पर पपड़ी जमने लगती है, जिसे रूसी कहते हैं। डेंड्रफ न केवल देखने में खराब लगता है बल्कि खुजली और जलन भी पैदा करती है। स्कैल्प में होने वाला डेंड्रफ फंगस के कारण होता है, जो सिर की सतह से सीबम और डेड स्किन सेल्स से बढ़ता है। डेंड्रफ के फ्लेक्स, छोटे-बड़े कई आकार के हो सकते हैं और बालों में कंघी करने से भी नहीं निकलते हैं।

डेंड्रफ होने के कारण: डेंड्रफ कई कारणों से हो सकता है, जिनमें शुष्क त्वचा, तैलीय त्वचा, फंगल इंफेक्शन, विटामिन-बी की कमी, मानसिक तनाव और कुछ मेडिकल कंडीशंस भी शामिल हैं। इनके अलावा केमिकल युक्त हेयर प्रोडक्ट्स का यूज करने, अस्त-व्यस्त जीवनशैली, बालों में गंदगी, बालों की सही देख-रेख न करने और रोज गर्म पानी से सिर धोने पर भी डेंड्रफ हो सकती है। इससे निजात पाने के लिए आप कुछ होम रेमिडीज अप्लाई कर सकती हैं।

नारियल तेल है कारगर: नारियल के तेल से स्कैल्प की मालिश करने से सिर में रक्त संचार बढ़ता है। नारियल का तेल लगाने से स्कैल्प मॉयश्चराइज होती है, जिससे डेंड्रफ को कम करने में मदद मिलती है। हल्का गर्म करके नारियल का तेल स्कैल्प पर लगाएं और कुछ घंटों के लिए छोड़ दें। फिर माइल्ड शैंपू से धो लें। इससे काफी राहत मिलेगी।

नारियल तेल और नीबू के रस को बराबर मात्रा में मिलाएं। इस मिश्रण को आप अपने स्कैल्प पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें। इसे एक घंटे तक लगा रहने दें और फिर शैंपू कर लें। बेहतर परिणाम के लिए आप इसको हफ्ते में तीन बार इस्तेमाल कर सकती हैं।

यूज करें एलोवेरा जैल: डेंड्रफ की समस्या खत्म करने के लिए बालों पर एलोवेरा लगाना भी काफी फायदेमंद माना जाता है। एलोवेरा अपने एंटीफंगल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण डेंड्रफ के लिए प्रभावी होता है। यह खुजली और सिर की जलन को शांत करने में भी मदद कर सकता है। इसके लिए एलोवेरा जैल को अपने स्कैल्प और बालों पर लगाएं। इसे 30 मिनट से एक घंटे तक लगा रहने दें और फिर हल्के शैंपू से अच्छी तरह धो लें। आप इस प्रक्रिया को हफ्ते में 2-3 बार दोहरा सकती हैं। हालांकि सीधे बालों पर एलोवेरा जैल लगाने से पहले आपको एक बार पैच टेस्ट अवश्य कर लेना चाहिए।

एलोवेरा जैल में नीबू के रस की कुछ बूंदें और ग्लिसरीन मिला लें। अब इस मिश्रण से स्कैल्प पर मसाज करें। 15 मिनट मसाज करने के बाद इसे 15 मिनट के लिए लगा रहने दें। उसके बाद गुनगुने पानी से बालों को धो लें। बालों को धोने के लिए माइल्ड शैंपू और कंडिशनर का ही इस्तेमाल करें।

अप्लाई करें दही: दही में एंटीफंगल गुण होते हैं, जो डेंड्रफ को कम करने में मदद करते हैं। दही को बालों की जड़ों से सिरों तक अंगुलियों से मलते हुए लगाएं और आधे घंटे बाद बालों को ताजे पानी से धो डालें। इससे बालों की अच्छी सफाई हो जाती है और डेंड्रफ दूर होते हैं। दही में नीबू का रस, बेसन मिलाकर सिर पर लगाने से भी डेंड्रफ दूर होता है। दही और एलोवेरा जैल का मिश्रण भी बालों के डेंड्रफ का प्रभावी उपाय है।

मेथी दाना: डेंड्रफ हटाने के लिए मेथी के दानों को रात भर पानी में भिगोकर रखें। अगली सुबह इन दानों को पीसें और बालों पर लगाकर आधे घंटे बाद ताजे साफ पानी से धो डालें। मेथी, डेंड्रफ दूर करने के साथ बालों की कई समस्याओं को दूर कर देती है।

स्पेशल : ऑटिज्म अवेयरनेस मंथ (अप्रैल)

आजकल बच्चे अपना ज्यादातर समय स्मार्ट गैजेट्स के साथ बीता रहे हैं, इसका बच्चों के समग्र विकास पर बुरा प्रभाव पड़ता है। वे ऑटिज्म का शिकार हो रहे हैं। समय रहते हमें अपने बच्चों को ऑटिज्म की ओर बढ़ने से रोकना होगा। यह कैसे संभव है, जरूरी सलाह।

स्क्रीन वर्ल्ड में खोए बच्चे ऑटिज्म का जोखिम

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

आजकल बच्चों के पास स्मार्ट गैजेट्स होना आम बात है। बोलने-समझने की उम्र से पहले ही स्क्रीन में झांकते रहने की आदत इन मासूमों के सहज विकास में बड़ी बाधा बन गई है। कभी गेम, कभी कार्टून फिल्म। पलक तक झपकाना भूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों का स्क्रीन वर्ल्ड में खोए रहना बहुत-सी व्याधियों को न्योता देता है। परवरिश के परंपरागत रंग-ढंग की जगह ले रहा तकनीकी जाल, बच्चों को वर्चुअल ऑटिज्म का शिकार बना रहा है। बहुत छोटे बच्चों में स्क्रीन यानी टेलीविजन, स्मार्ट फोन, टैबलेट जैसे गैजेट्स के अत्यधिक इस्तेमाल से वर्चुअल ऑटिज्म की समस्या पैदा होती है। आभासी संसार में खोए रहने वाले बच्चे सामाजिक संपर्क बनाने में असहज महसूस करते हैं। देरी से बोलना सीखते हैं। दूसरी की बात समझने में कठिनाई होने लगती है। कई मामलों में दोहराव पूर्ण व्यवहार जैसे कई लक्षण उनमें दिखाई देने लगते हैं।

समस्याओं का घेरा: हालिया वर्षों में पैरेंटिंग के मोर्चे पर डिजिटल गैजेट्स के इस्तेमाल की अति से बच्चों को बचाने की जिम्मेदारी भी जुड़ गई है। यह डिजिटल व्यस्तता बालमन को कमोबेश हर मामले में नुकसान पहुंचाने वाली है। बच्चों के मानसिक-मनोवैज्ञानिक विकास को प्रभावित करने वाली वर्चुअल ऑटिज्म प्रॉब्लम, कई दूसरी व्याधियों की भी जड़ है। चिंतनीय है कि जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही स्क्रीन को देखते रहने से वर्चुअल ऑटिज्म के घेरे में आ रहे बच्चों का अटेंशन स्पैन (एकाग्रता अवधि) भी कम हो जाता है। बर्ताव में चिड़चिड़ापन और विचारों में उलझन-अस्पष्टता जगह बना लेती है। कई बार पुकारे जाने पर भी रिएक्ट नहीं करते। ऐसे बच्चे हाइपर एक्टिव हो जाते हैं। बहुत से बच्चे अपने पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर या किसी ऑनलाइन खेल के कैरेक्टर की तरह बोलने-बतियाने लगते हैं। कम उम्र में बढ़ते स्क्रीन टाइम से न्यूरोलॉजिकल बीमारियों के घेरे में आ रहे हैं। आम जीवन से कट जाने वाले ऐसे बच्चे फोकस्ड नहीं रह पाते। किसी भी बात या काम पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाना आगे चलकर व्यक्तिगत ही नहीं, अकादमिक जीवन को भी प्रभावित करता है।

गैजेट एक्सपोजर घटाएं पैरेंट्स: गैजेट्स के साथ बहुत अधिक समय बिताने वाले बच्चों को हरदम स्क्रीन पर दिखते कंटेंट से एकतरफा संवाद सुनने की आदत हो जाती है, जिसके चलते सहजता से कुछ बोल नहीं पाते। बातचीत के सहज हाव-भाव नहीं सीखते। पहले बहुत छोटे बच्चों का यह समय घर के बड़े-बुजुर्गों या पैरेंट्स के साथ बीतता था। सहज इंसानी बातचीत सुनते हुए बड़े होने वाले बच्चे भी आसानी से बोलना सीख जाते थे। हर तरह के मनोभाव को जताना उन्हें आ जाता था। बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम ने दूसरों की बातों को सुनना-समझना भुला दिया है। बालमन सहज प्रतिक्रिया भूल गया है। बच्चे दूसरों से मेल-जोल में भी असहज महसूस करते हैं। इन समस्याओं का हल गैजेट्स से दूरी बरतना ही है। संभव हो तो पांच साल की उम्र तक के बच्चों को डिजिटल उपकरणों से पूरी तरह दूर रखें। वर्चुअल ऑटिज्म पांच-सात वर्ष से छोटे बच्चों में ही अधिक होता है। इस आयुवर्ग तक के बच्चों के साथ समय बिताने में पैरेंट्स भी रुचि लें।

समय रहते चेतें

आज के तकनीकी दौर में परवरिश के मोर्चे पर सामने आ रही वर्चुअल ऑटिज्म की समस्या को लेकर समय रहते चेतना जरूरी है। बच्चों को वर्चुअल दुनिया नहीं, बल्कि असली संसार से जोड़ना आवश्यक है। मनोरंजन के परंपरागत माध्यमों का चुनाव, घर के बुजुर्गों का साथ-संवाद और गैर-डिजिटल गतिविधियों को बढ़ावा देना ही इस समस्या से बचा सकता है। अप्रैल का यह पूरा महीना ऑटिज्म की प्रॉब्लम्स को लेकर अवेयरनेस लाने से जुड़ा है। ऐसे में वर्चुअल ऑटिज्म के जोखिम में आ रहे बच्चों को लेकर भी जागरूक होना आवश्यक है।

खबर संक्षेप

ग्रेजुएशन सेरेमनी में शिक्षकों के साथ बच्चे।

राठ इंटरनेशनल स्कूल में ग्रेजुएशन सेरेमनी

कुंड। राठ इंटरनेशनल स्कूल कुंड में कक्षा नर्सरी से द्वितीय तक के छात्रों के लिए ग्रेजुएशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चेयरमैन बलवान सिंह यादव थे। उन्होंने विद्यार्थियों को हमेशा आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावक भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस अवसर पर बच्चों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। प्रधानाचार्या मंजू यादव व स्कूल अध्यक्ष बलवान सिंह यादव ने आयोजनकी सराहना की। इस अवसर पर कोऑर्डिनेटर रिंकू यादव, कोऑर्डिनेटर आशा यादव व निशा यादव सहित सभी स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

गवर्नमेंट स्कूल सीहा में कक्षा टॉपर्स सम्मानित

कुंड। गांव सीहा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। कार्यक्रम में सभी कक्षा टॉपर्स को सम्मानित किया गया।

प्राचार्य एवं साहित्यकार सत्यवीर नाहड़िया ने सभी कक्षा टॉपर्स को सम्मानित किया। विद्यालय की हेड टीचर सुमित्रा देवी ने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र की प्रवेश उत्सव से शुरूआत की जाएगी तथा एक पखवाड़े तक अभियान चलाया जाएगा। ड्रॉप आउट बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है मौके पर एबीआरसी अनुराधा चौहान, स्टाफ सचिव यशपाल, अध्यापिका सुशीला देवी तथा रेखा रानी ने विजेताओं को पुरस्कृत किया।

गांव लुहाना में हनुमान जयंती पर कार्यक्रम होगा

डहीना। गांव लुहाना में हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में जागरण व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर कमेटी के प्रधान नरेश कुमार ने बताया कि 10 अप्रैल को अखंड रामायण पाठ आयोजित किया जाएगा। 11 अप्रैल को हनुमानजी के जागरण का आयोजन होगा, जिसमें गायक कलाकार मुकेश दिल्ली वाले बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे। 12 अप्रैल को हनुमान जी के जन्मोत्सव पर भंडारे में देसी घी से निर्मित दाल, बाटी, चूरमा का प्रसाद वितरित किया जाएगा।

जरूरतमंद बच्चों को वितरित की स्टेशनरी

कुंड। खंड खोल के गांव ढाणी शोभा के प्राथमिक स्कूल में प्रवेश उत्सव के दौरान सोमवार को सेवानिवृत्त प्राचार्य एडवोकेट सुरेंद्र यादव ने अपने पिता स्व. मास्टर बस्तीराम की याद में बच्चों को स्टेशनरी वितरित की व स्कूल को पांच पंखे भेंट किए। मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष यादव थे। इस मौके पर एडवोकेट सुरेंद्र यादव ने कहा कि जरूरतमंद बच्चों की सहायता करना बड़ा पुण्य का कार्य है। कार्यक्रम में मुख्याध्यक महेंद्र सिंह सीहा, राज सिंह, बोदन सिंह, जगमाल सिंह, मास्टर नेमीचंद, प्यारेलाल, भागीरथ, देवेंद्र व पवन कुमार आदि मौजूद थे।

एडीसी अनुपमा अंजलि व एसपी डा. मयंक ने तैयारियों को लेकर की बैठक

ड्रग फ्री हरियाणा के संदेश के साथ 8 को रेवाड़ी में पहुंचेगी साइकिल यात्रा

- साइकिल यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की ओर से 5 अप्रैल को हिसार जिले से ड्रग फ्री हरियाणा के तहत एक साइकिल यात्रा नशा मुक्ति के नाम थीम पर आधारित साइक्लोथॉन-2.0 का शुभारंभ किया जाएगा। यह साइकिल यात्रा नशा मुक्त हरियाणा के सार्थक संदेश के साथ रेवाड़ी में 8 अप्रैल को पहुंचेगी। साइक्लोथॉन-2.0 के जिले में प्रवेश करने पर जिला प्रशासन, जिलावासियों व सामाजिक संगठनों की ओर से भव्य स्वागत किया जाएगा।

रेवाड़ी। साइक्लोथॉन-2.0 के आयोजन को लेकर बैठक लेते हुए एडीसी अनुपमा अंजलि व एसपी डा. मयंक गुप्ता। फोटो: हरिभूमि

साइक्लोथॉन-2.0 अगले दिन 9 अप्रैल को जिले से आगामी गणतव्य के लिए प्रस्थान करेगी। साइकिल यात्रा को लेकर एडीसी अनुपमा अंजलि व एसपी डा. मयंक ने सोमवार को लघु सचिवालय सभागार में अधिकारियों की बैठक में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एडीसी अंजलि ने बताया कि साइकिल यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कोई भी व्यक्ति इस पुनीत अभियान में भागीदार बनने के लिए रजिस्ट्रेशन कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है। उन्होंने जिले की ग्राम पंचायतों, कॉलेज, स्कूल, एनजीओ, एसोसिएशनों व नशा मुक्ति केंद्र से इस यात्रा में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन अनुरूप साइक्लोथॉन में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-प्रमाण पत्र भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि साइकिल यात्रा 9 अप्रैल को सुबह 6 बजे राव तुलाराम स्टेडियम से पलवल जिला के लिए रवाना होगी। साइक्लोथॉन-2.0 8 अप्रैल को महेंद्रगढ़ जिले से रेवाड़ी के गांव भालखी माजरा के रास्ते प्रवेश करेगी।

उपहार स्वरूप भेंट की जाएगी साइकिल

एडीसी ने बताया कि साइक्लोथॉन-2.0 के तहत जिले से एक ऐसे साइकिल चालक का चयन किया जाएगा, जिसने शुरूआती प्वाइंट से लेकर अंतिम प्वाइंट तक पूरी दूरी तय की होगी। यदि ऐसे एक से अधिक साइक्लिस्ट होंगे तो लक्की ड्रा के माध्यम से चयन किया जाएगा, विजेता को जिला प्रशासन की ओर से उपहार स्वरूप साइकिल भेंट की जाएगी। बैठक में एसडीएम सुरेंद्र सिंह, डीएसपी विनोद शंकर, डीडीपीओ नरेंद्र सारवान, डीईओ कपिल पूनिया, डीआईओ सचिन व डीआईपीआरओ दिनेश कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

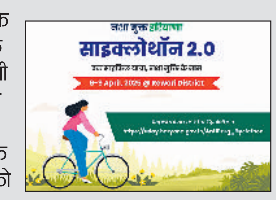

रेवाड़ी। साइक्लोथॉन-2.0 का लोगो।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मुख्यातिथि का सम्मान करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

दो दिवसीय नाट्य उत्सव का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

लावण्या फाउंडेशन की ओर से बाल भवन में दो दिवसीय नाट्य उत्सव का समापन किया गया। उत्सव के दूसरे दिन रंगमंच प्रेमियों के लिए प्रसिद्ध नाटक 'द मैरिज प्रपोजल' का मंचन किया गया, जिसे महान लेखक एंटोन चेखव ने लिखा है और निर्देशन साक्षी सुनील ने किया।

मुख्य अतिथि सुनील भार्गव ने कहा कि रंगमंच समाज का आईना होता है, जो हमें हमारे आसपास की वास्तविकताओं से परिचित कराता है। नाट्य उत्सव समाज में सांस्कृतिक चेतना जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। फाउंडेशन का प्रयास न केवल कलाकारों को मंच प्रदान करता है, बल्कि समाज को नाट्य कला से जोड़ने का कार्य भी करता है।

इनकी अहम भूमिका: कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि राजीव गुप्ता प्रधान महावर सभा, अनिल कौशिक पूर्व निर्देशक हरियाणा कला परिषद एवं संजय डाटा जिला संयोजक लघु उद्योग भारती थे। वरिष्ठ रंगकर्मी सतीश मस्तान, सुधीर यादव, झम्मन सिंह सैनी, आदित्य डाटा, रोहित सैनी, संगीता, सागर सैनी, रविन्द्र कुमार, प्रतीक, मंजू सैनी, पूर्वी अंजलि, निक्की और अन्य कलाकारों ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्राइवेट स्कूलों को 25% सीटें करनी होंगी आरक्षित

- आरटीई के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित समूहों के बच्चों के होंगे दाखिले: डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

डीसी अभिषेक मीणा।

डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के सैक्शन (12) (1) (सी) के प्रावधान अनुसार जिले में संचालित प्रत्येक मान्यता प्राप्त प्राइवेट विद्यालय को आरटीई अधिनियम 2011 के तहत पहली कक्षा या एंट्री कक्षा नर्सरी में कुल उपलब्ध सीटों में से 25 प्रशित सीटों पर निर्धारित कैटेगरी में शामिल बच्चों के दाखिले कराने होंगे। डीसी ने प्राइवेट स्कूलों को शिक्षा विभाग की ओर से जारी निर्देश की अनुपालना करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जिले के सभी निजी मान्यता प्राप्त स्कूल यह सुनिश्चित करेंगे कि कक्षा 1 या उससे पहले की कक्षाओं में आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित समूहों के लिए सभी सीटों का 25 प्रतिशत आरक्षित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कमजोर वर्गों और वंचित समूह से संबंधित बच्चे का तात्पर्य सरकार द्वारा जारी और अनुमोदित ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की गरीबी रेखा से नीचे की नवीनतम सूची के अंतर्गत आने वाले परिवार का बच्चा, एक अनाथ बच्चा, एक एचआईवी प्रभावित बच्चा, विशेष जरूरतों वाला बच्चा व युद्ध वीरांगणा के बच्चे से है डीसी ने कहा कि 25 प्रतिशत सीट सरंक्षित करने के लिए शिक्षा विभाग की आईटी सैल द्वारा पोर्टल खोल दिया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी और जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अपने क्षेत्राधिकार के हरियाणा सरकार से मान्यता प्राप्त सभी निजी विद्यालयों में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में दाखिले के लिए उपरोक्त सीटें सरंक्षित कराना सुनिश्चित करें। डीसी ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम भारत सरकार की ओर से पारित एक महत्वपूर्ण कानून है, जोकि निर्धारित कैटेगरी के सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा प्रदान करने का अधिकार देता है। पोर्टल पर आने वाली किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के लिए हेल्पलाइन नंबर 01725049801 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम की शुरूआत हवन के साथ हुई

नव संवत्सर पर काव्य पाठ एवं विचार गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

अखिल भारतीय साहित्य परिषद् एवं विश्वकर्मा स्कूल के संयुक्त तत्त्वावधान में नव संवत्सर के उपलक्ष्य में काव्य पाठ एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विश्वकर्मा स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा आयोजित हवन से हुई। विचार गोष्ठी में साहित्य और संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई, वहीं काव्य पाठ में नवसंवत्सर का महत्व समझाया गया। मुख्य वक्ता व परिषद् संरक्षक एल एन शर्मा ने सनातन परंपरा को जानकर जिंदादिली से जीने का संदेश दिया। कवि तेजभान कुकरेजा, कवयित्री डा. कविता, रंजीत एडवोकेट और विश्वकर्मा सीनियर सैकेंडरी स्कूल के सचिव धीरज शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत किए। रेवाड़ी इकाई की अध्यक्षा श्रुति शर्मा ने सभी का आभार प्रकट किया।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में विचार रखते हुए वक्ता। फोटो: हरिभूमि

किसानों की लिए सभी व्यवस्था के दिए निर्देश

विधायक ने सरसों की सरकारी खरीद का लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

विधायक लक्ष्मण सिंह यादव ने सोमवार को अनाज मंडी में चल रही सरसों की सरकारी फसल खरीद का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने किसानों से भी बातचीत की। विधायक ने अधिकारियों को कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने में कोई परेशानी नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि फसलों की खरीद के साथ-साथ समय पर उठान भी लगातार जारी रहे, ताकि मंडी में अव्यवस्था न फैले। उन्होंने किसानों से भी आह्वान किया कि वे अपनी फसल को पूरी तरह सुखाकर लाए, ताकि खरीद में कोई परेशानी न आए। उन्होंने मंडी में पीने के पानी, सफाई व प्रकाश की भी पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि हरियाणा किसानों की तमाम फसलों को समर्थन मूल्य पर खरीदने वाला एकमात्र राज्य है। किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए पीएम सम्मान निधि के अलावा अनेक योजनाएं चलाई हुई है। उन्होंने कहा कि अन्नदाता किसान को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इस मौके पर भाजपा नेता दीपक मंगला, मार्केट कमेटी डीएमईओ सत्यप्रकाश, सचिव नरेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी, व्यापारी व किसान मौजूद थे।

रेवाड़ी। सरसों खरीद का जायजा लेते विधायक लक्ष्मण सिंह। फोटो: हरिभूमि

बैठक में भवन के पेंडिंग कार्यो पर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गढी बोलनी रोड स्थित श्री कृष्ण भवन में यादव कल्याण सभा की मासिक बैठक का आयोजन प्रधान रामबीर यादव की अध्यक्षता व मुख्य संरक्षक महंत लाल दास महाराज के सानिध्य में आयोजित की गई। जसवंत सिंह यादव ने मासिक बैठक की कार्यवाही शुरू करते हुए सभा की विभिन्न गतिविधियों के अलावा आय-व्यय का ब्योरा पेश किया। प्रधान रामबीर ने अवगत कराया कि कोसली विधायक अनिल यादव ने भवन में एसी लगवाने के लिए 2 लाख की राशि प्रदान की है। उन्होंने बताया कि ऑडिटोरियम के पेंडिंग कार्य को भी पूरा कराने के लिए प्रयास किए जा रहे है। मुख्य संरक्षक महंत लाल दास कहा कि सभी सदस्य एकजुट होकर यादव सभा के पेंडिंग कार्यो को इस कार्यकारिणी के कार्यकाल में ही पूरा कराएं। बैठक में सभी सदस्यों ने समाज में व्याप्त विभिन्न कुरीतियों जैसे दहेज प्रथा, युवाओं में बढ़ती नशा प्रवृत्ति, अपने ही गौत्र में शादी करना व लिव इन रिलेशनशिप पर गहरी चिंता व्यक्त की तथा समाज को जागरूक करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाने पर सर्वसम्मति व्यक्त की। बैठक में प्रो. आरएस यादव, बाबू जगजीतसिंह, डा. आईएस खैरवाल, डा. आर के यादव, सभा प्रवक्ता व जनरल सेक्रेटरी प्रोफेसर सतीश यादव, डा. यशपाल यादव, पी एस यादव, सुरेंद्र सिंह, अमर सिंह, जगत सिंह, दुलीचंद, रामसिंह, समय सिंह, गोकलराम, विजयपाल, जीएस यादव, आर एस यादव, सुरेन्द्र कुमार, इन्द्रजीत व बिक्रम मौजूद थे।

रेवाड़ी। बैठक में सदस्यों को संबोधित करते संरक्षक महंत लालदास। फोटो: हरिभूमि

चिकित्सा शिविर में 112 लोगों की हुई जांच

मासिक बैठक से पहले यादव कल्याण सभा की ओर से फ्री चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें 112 मरीजों को नि:शुल्क ओपीडी सेवाएं व दवाईयां प्रदान की गई। शिविर में डा. एचआर यादव ने मेडिसिन, डा. अजय यादव ने हड्डीरोग, डा. अभिनव राव ने सर्जरी व डा. अजीत सिंह यादव ने चर्मरोग के रोगियों की जांच करके उचित परामर्श दिया। पूर्णसिंह यादवने मरीजों को फिजियोथरेपी की फ्री सेवाएं प्रदान की।

पति सहित पांच ससुरालीजनों पर दहेज प्रताड़ना का केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोसली

कोसली स्टेशन क्षेत्र निवासी एक विवाहिता ने अपने पति सहित पांच ससुरालीजन पर दहेज प्रताड़ना व घर से निकालने का आरोप लगाते हुए कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। विवाहिता प्रवीन यादव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका विवाह सात माह पूर्व लुधियाना निवासी अशोक कुमार के पुत्र अमित अरोड़ा के साथ हुआ था। विवाहिता के अनुसार विवाह करने से पहले उसके परिजन ने पति और उसके परिवार वालों को उसकी बीमारी के बारे बताया था, जिसके बाद पति तथा उनके घर वाले शादी करने के लिए तैयार थे। विवाहिता ने बताया कि उस समय पति अमित को बहुराष्ट्रीय कंपनी में 30 लाख के पैकेज पर बताया गया था। विवाह के बाद कंपनी का नाम पूछने पर पति व सास ने व्यंग करना शुरू कर दिया। उसके बाद पति तथा उनके परिजन उसे घर से दान दहेज न लाने पर परेशान करने लगे। ससुराल वालों ने उसकी दवा छिपा ली। दवा नहीं खाने के कारण उसे दौरे की समस्या हो गई। उसके बाद ससुराल वालों का व्यवहार बदल गया।

शिविर में आई अधिकांश शिकायतों का निपटारा

रेवाड़ी। समाधान शिविर में जन सुनवाई करती एडीसी अनुपमा अंजलि।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

एडीसी अनुपमा अंजलि ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से जनसेवा को समर्पित लगाए जा रहे समाधान शिविर में जरूरतमंद लोगों की शिकायतों का निदान किया जा रहा हैं। एडीसी ने सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में एसडीएम सुरेंद्र सिंह व विभागों के अधिकारियों के साथ नागरिकों की शिकायतें सुनीं। समाधान शिविर में आई अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निदान किया गया। शिविर में श्रम विभाग, परिवार पहचान पत्र, जनस्वास्थ्य विभाग, पुलिस व राजस्व से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। जिला मुख्यालय सहित उपमण्डल स्तर पर कोसली व बावल में भी रोजाना सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक शिविर लगाकर सुनवाई की जा रही है।

आस्था | गणगौर पर्व विशेषकर राजस्थान में धूमधाम के साथ मनाया जाता है

भक्तोंने ईसर-गणगौर का धूमधाम से विसर्जन किया

महिलाओं ने ईसर-गणगौर का पूजन कर मांगी सुख-समृद्धि, शहर-गांवों में निकाली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में भगवान शिव-पार्वति रूपी ईसर व गणगौर का पूजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। महिलाओं ने शाम के समय गणगौर माता का पानी में विसर्जन के उपरांत अगले वर्ष पुनः सुख-स्मृद्धि के साथ आगमन की कामना की। गणगौर पर्व विशेषकर राजस्थान में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। पर्व पर महिलाओं ने चिकनी मिट्टी एवं अन्य साज-सज्जा के सामान के साथ ईसर व गणगौर माता की मूर्तियां बनाई। महिलाओं ने व्रत किया तथा सुबह के समय सामूहिक रूप से कथा सुनी। उसके उपरांत सूर्य देवता को अर्ध्य देकर घर के बुजुर्गों को गुणे व शक्कर पारे का बायणा दिया व उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। दोपहर के समय सभी ने मिलकर पानी पिलाने का कार्य करने के उपरांत शाम को किसी ने सामूहिक रूप से तो किसी ने घर के सदस्यों के साथ पहुंचकर पानी में गणगौर माता का विसर्जन किया। गणगौर पर्व पर ठठेरा समाज की ओर से ईसर-गणगौर मेला महोत्सव का आयोजन किया गया। मेले में सुंदर झांकियां निकाली गई। झांकियां श्री मुरली मनोहर मंदिर ठठेरा मोहल्ला से मुख्य बाजारों से होते हुए नई आबादी स्थित ठठेरा बगीची तक शोभायात्रा निकाली गई। ग्रामीण क्षेत्रों में भी ईसर-गणगौर का धूमधाम से विसर्जन किया गया। गांव हरजीपुर खोरी में महिलाओं ने सामूहिक रूप से ईसर-गणगौर की शोभायात्रा निकाली।

रेवाड़ी। गांव हरजीपुर में ईसर-गणगौर की पूजा करती महिलाएं। व गांव में ईसर-गणगौर की शोभायात्रा निकालते हुए महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

ग्राम पंचायत बाबड़ौली
खण्ड जाटुसाना, जिला रेवाड़ी (हरियाणा)
निविदा सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बाबड़ौली, खण्ड जाटुसाना में पंचायत स्तर पर डोर टू डोर कचरे का नियमानुसार संग्रहण एवं निपटान करवाया जाना है। उक्त कार्य करने की इच्छुक फर्म अपनी कार्य कुटेशन सरपंच के पास दिनांक 09.04.2025 तक जमा करवा सकती है। प्राप्त कुटेशन का अवलोकन ग्राम स्तरीय कमेटी व पंचायत की मौजूदगी में दिनांक 11.04.2025 को किया जाएगा।
हस्ता/- आशा, सरपंच, ग्राम पंचायत बाबड़ौली, खण्ड जाटुसाना (रेवाड़ी)

खबर संक्षेप

वाहन की चपेट में आकर युवक गंभीर रूप से घायल

खोरी। फ्लाईओवर के पास किसी वाहन की चपेट में आने से एक बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। खोरी निवासी विजेंद्र बाइक लेकर किसी काम से रेवाड़ी गया हुआ था। जब वह घर लौट रहा था, तो फ्लाईओवर पर किसी वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में विजेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। हाइवे पेट्रोलिंग की गाड़ी ने उसे अस्पताल पहुंचाया। सरकारी अस्पताल से उसे रेफर कर दिया गया। उसका प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद वाहन का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

अस्पताल के पास गली में खड़ी बाइक चोरी

रेवाड़ी। गुड़ बाजार के पास चोर गली में खड़ी एक बाइक चोरी कर ले गए। शांति नगर निवासी विशु ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसकी गुड़ बाजार में दुकान है। वह घर से बाइक लेकर दुकान पर आया था। उसने अपनी बाइक एक अस्पताल के पास गली में खड़ी की थी। शाम को वह दुकान बंद करने के बाद घर जाने के लिए बाइक के पास पहुंचा तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी पूछताछ करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। सिटी पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

कैंटर की चपेट में आकर बाइक सवार दो घायल

रेवाड़ी। बालियर खुर्द के पास कैंटर की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल हो गई। इनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। आर्दश नगर निवासी भरत भूषण व राजस्थान के सीकर निवासी संदीप दोनों एक दुकान पर कार्य करते हैं। वह बाइक लेकर दुकान पर जा रहे थे। बालियर खुर्द के पास एक कैंटर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां से संदीप को गंभीरावस्था में रेफर कर दिया गया। सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद कैंटर चालक की तलाश शुरू कर दी।

सोमवार को तीनों मंडियों में 20 हजार क्विंटल सरसों की खरीद

आज से रेवाड़ी, कोसली और बावल अनाजमंडी में शुरू होगी गेहूं की एमएसपी पर खरीद, सरसों की आवक तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/बावल/कोसली

जिले की रेवाड़ी, बावल व कोसली अनाजमंडी में सरसों की आवक लगातार बड़ रही है। वहीं एक अप्रैल से तीनों अनाज मंडियों में गेंहू की सरकारी खरीद भी शुरू की जाएगी। गेहूं की खरीद 2425 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से की जाएगी। सरसों की सरकारी खरीद 5950 रुपये एमएसपी पर की जा रही है। सरसों 8 प्रतिशत नमी तक खरीदी जा रही है, वहीं गेहूं की खरीद 12 प्रतिशत नमी तक की जाएगी। गेहूं की खरीद के लिए मार्केट कमेटी व खरीद एजेंसियों की ओर से पूरी तैयारियां कर ली गई हैं। रेवाड़ी अनाजमंडी में मंगलवार, वीरवार व शनिवार को फूड एंड सप्लाई विभाग तथा सोमवार, बुधवार व शुक्रवार को हैफेड की ओर से गेहूं की खरीद की जाएगी।

रेवाड़ी। अनाजमंडी में फड पर सूखता गेहूं व मुहं मारती गाय अनाजमंडी में फड पर लगी सरसों की ढेरियां। फोटो : हरिभूमि

बावल अनाजमंडी में वेयरहाउस गेहूं की खरीद करेगा। इसके अलावा कोसली अनाजमंडी में सप्ताह के चार दिन हैफेड व दो दिन फूड एंड सप्लाई विभाग की ओर से गेहूं की खरीद की जाएगी। सोमवार को रेवाड़ी अनाजमंडी में गेहूं की आवक भी शुरू हो चुकी है। सरसों व गेहं में नमी होने के कारण फड पर सुखाई जा रही है। अनाजमंडी में किसानों को गोवंश भी परेशान कर रहे है। किसान फड पर सूखती फसल में मुहं मारते गोवंश को बार-बार भगाते नजर आ रहे है।तीनों मंडियों में सोमवार को सरसों की खरीद सोमवार को रेवाड़ी अनाजमंडी में हैफेड की ओर से 543 किसानों से 10750 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। हैफेड की ओर से अभी तक 1.20 लाख बैग सरसों की खरीद की जा चुकी है, जिसमें 1.4 लाख बैग का उठान किया जा चुका है। बावल अनाजमंडी में वेयर हाउस कारपोरेशन की ओर से सोमवार को 153 किसानों से 3371 क्विंटल सरसों की खरीद की गई। वेयरहाउस से परचेजर सुरेन्द्र ने बताया कि अब तक 15871 कंविटल सरसों खरीदी जा चुकी है तथा सोमवार को खरीदी गई सरसों का ही उठान बाकी है। कोसली अनाज मंडी में सरसों की खरीद व उठान की गति तेजी पकड़ रही है। सरसों के साथ गेहूं की आवक भी होने लगी है। अनाजमंडी में शनिवार तक 47300 क्विंटल सरसों की खरीद हो चुकी थी। सोमवार को शाम 5200 क्विंटल सरसों की खरीद हो चुकी थी। मार्केट कमेटी के सचिव नरेंद्र यादव ने बताया कि अब तक 5528 किसानों को 116006 क्विंटल सरसों के गेट पास जारी किए चुके हैं। एजेंसी के खरीद अधिकारी नवल यादव ने बताया कि सोमवार दोपहर तक मंडी से 54000 बैग्स का उठान भी हो चुका है।

कोसली अनाजमंडी में रोस्टर से होगी खरीद

कोसली अनाजमंडी में सरसों की भारी आवक लेकर प्रशासन की ओर से रोस्टर प्रणाली शुरू करने का निर्णय लिया है। कोसली माकेट कमेटी के सचिव नरेन्द्र यादव ने बताया कि एक दिन में एक किसान की अधिकतम 40 क्विंटल सरसों की खरीद की जाएगी। सभी किसान सरसों अच्छी तरह सुखाकर व साफ करके जिस दिन उनके गांव का नंबर हो उसी दिन लाएं ताकि किसानों को अपनी सरसों बेचने में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। कोसली अनाजमंडी में 2 अप्रैल को गांव गुड़यिानी, गुगोढ़, छव्वा, सुमाखेड़ा, जखाला, बहोतवास भोंदू, कान्हड़वास, टूमना, खुशपुरा, झोलरी, शादीपुर, 3 अप्रैल को अहमदपुर पड़तल, सुर्खपुर, बहाला, हांसावास, डहीना, भुरथला, जाहिदपुर, कोसली, कतोपुरी, झाड़ोदा, लिलोढ़, 4 अप्रैल को बाबड़ौली, औलांत, आशियाकी गोरावास, भडंगी, भांकली, भूरियावास, बालधन कलां, बालधन खुर्द, गुरावड़ा, बैहरमपुर तथा 5 अप्रैल को दखौरा, दड़ौली, बव्वा, बिसोहा, मुरलीपुर, कृष्णनगर, गुर्जरवास, लुखी, जुड्डी व झाल के किसानों की सरसों खरीद की जाएगी।

भाविप ने धूमधाम से मनाया हिंदू नव वर्ष

- मॉडल टाउन स्थित शिव चौक पर 101 दीपक प्रज्वलित किए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

भारत विकास परिषद जिला शाखा की ओर से हिंदू नव वर्ष के अवसर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। श्रीराम पैलेस झज्जर रोड में शांति और उन्नति के प्रतीक हवन का आयोजन साध्वी ऊषा आर्य व दयाराम आर्य ने वैदिक परंपरा से कराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वंदना पोपली जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी थी और अध्यक्षता महेन्द्र शर्मा क्षेत्रीय संयुक्त महासचिव भारत विकास परिषद ने की। कार्यक्रम में भाविप शाखा से दिनेश सैनी अध्यक्ष, राम किशोर सचिव, प्रेम मेहंदीरत्ता कोषाध्यक्ष, श्रीराम युवा शाखा से सीए जतिन सैनी अध्यक्ष, सचिन सिंघल सचिव व सीए अमन गुप्ता को कोषाध्यक्ष का दायित्व ग्रहण कराया गया। इसके अलावा मॉडल टाउन स्थित शिव चौक पर 101 दीपक प्रज्वलित किए गए। आचार्य दिलीप शास्त्री ने भगवान शिवशंकर की आरती कराई। कार्यक्रम में शाखा संरक्षक रमेश, जिला समन्वयक मुकेश सैनी, जिला सह समन्वयक परमजीत यादव, हुक्म चन्द प्रजापत सचिव, कोषाध्यक्ष राम किशोर सैनी, डा. अनिल सैनी, कुंदन लाल सैनी, नरेश अग्रवाल, योगेश शर्मा, डा. दीपक सैनी, जगमोहन अग्रवाल, नितिन गोयल, अजय गुप्ता, मदनलाल सैनी, राजीव अहुजा, कृष्ण कुमार, राकेश कुमार, ज्योति शर्मा, निधी गौतम, उमेश गोयल, सीए कश्यप गुप्ता, मोहित गोयल, सीए आकाश गौर, सीए आशीष गुप्ता, सीए यश अरोड़ा, मानसी अरोड़ा, सीए प्रभव बिंदल, राजबीर यादव, रवि सैनी, मोहन गोयल, प्रशांत गुप्ता व डा. प्यारे लाल मौजूद थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद अतिथि व भाविप के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अमन चैन व शांति की दुआ मांगी

- सुबह से शहर की मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों की भीड़ रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

जिले में सोमवार को ईद-उल-फितर के पर्व धूमधाम से मनाया गया। मुस्लिम समुदाय की ओर से सभी मस्जिदों में नमाज अता करके देश में अमन चैन व शांति की दुआ मांगी गई। रोजेदारों ने अल्लाह की रजा के लिए महीने भर रोजे रखे। सुबह से शहर की मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों की भीड़ रही। शहर के राजीव नगर स्थित पीर बाबा वाली मस्जिद, आसिया मस्जिद पुराना सिटी थाना, जामा मस्जिद दफ्तर वाली गली गोल चक्कर, मदीना मस्जिद रेलवे स्टेशन, गांव गुड़यिानी स्थित ईदगाह तथा खोल स्थित मस्जिद में सामूहिक रूप से नमाज अता की गई। इस मौके पर मस्जिद के इमाम इस्माइल खान व समाज के प्रधान मुबीन खान ने कहा कि पूरे माह रखे जाने वाले रोजे जीवन में धैर्य और संयम से जीना सिखाते हैं।मस्जिदों के बाहर सुरक्षा व शांति को लेकर पुलिसकर्मी भी तैनात रहे। इस अवसर पर मस्जिद के खजांची पप्पू खान, सलामुदीन चौहान, नवीन खान, परवेज, रहमान खान, मजीद खान, शानू, शरीफ खान, दीपक खान, शमशेर, इस्माइल खान, दीन मोहम्मद, नूर मोहम्मद, मनहाज, हाफिज सुबहान, सलामत शाहरुख, वकील, प्रशांत आदि मौजूद रहे।

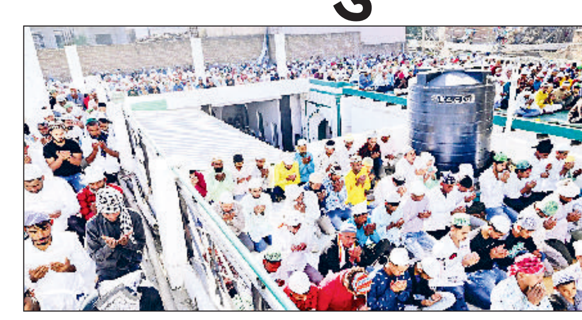

राजीव नगर मस्जिद में ईद-उल-फितर पर नमाज अता मुस्लिम समुदाय के लोग।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में बच्चों को सम्मानित करती प्राचार्या। फोटो : हरिभूमि

वार्षिकोत्सव में मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

गांव बव्वा स्थित जीवा प्ले स्कूल में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या प्रवीण कुमारी ने की। गांव बव्वा निवासी शिक्षक एवं साहित्यकार श्रीभगवान बव्वा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा शिव चरण, अंकुर यादव व संदीप यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वार्षिक उत्सव में नन्हे मुन्ने बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

प्राचार्या ने कहा कि विद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

पुलिस को चकमा देकर भागने का आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

- उसके खिलाफ रामपुरा थाने में आर्म्स एक्ट के तहत भी केस दर्ज किया गया था

बीते शनिवार को कुतुबपुर एरिया में यमुनानगर पुलिस को चकमा देकर फरार हुए साइबर फ्रॉड के आरोपी को रामपुरा थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बाद में उसे कोर्ट में पेश कर दिया गया। उसके खिलाफ रामपुरा थाने में आर्म्स एक्ट के तहत भी केस दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार गुरावड़ा निवासी सचिन उर्फ के खिलाफ यमुनानगर साइबर थाने में धोखाधड़ी का केस दर्ज है। इस मामले में सचिन को गिरफ्तार करने के काफी प्रयास किए जा चुके हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार यमुनानगर पुलिस को सूचना मिली थी कि सचिन रामपुरा एरिया में रह रहा है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की एक टीम रेवाड़ी पहुंच गई। कुतुबपुर में पुलिस टीम को सचिन दिखाई दिया। इससे पहले पुलिस उसे काबू कर पाती, वह पुलिस को चकमा देकर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा किया, परंतु वह गलियों से निकलकर फरार हो गया था। इसी दौरान उसकी जेब से पिस्तौल निकलकर जमीन पर गिर गई। पुलिस ने पिस्तौल कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ रामपुरा थाने में कसे दर्ज कराया था। रामपुरा थाना पुलिस ने आरोपी सचिन को गिरफ्तार कर लिया।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में आरोपी सचिन। फोटो :हरिभूमि

जमीनी विवाद में फसल काटने का आरोप

- कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज
- उसके पास कैमरे तोड़ने और फसल कटाई करने का वीडियो भी मौजूद है

रेवाड़ी। प्राणपुरा में जमीनी विवाद के चलते खेत में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ने व फसल चोरी करने के आरोप में पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना खोल पुलिस को दर्ज शिकायत में प्रदीप ने बताया कि उसने पिछले साल में 3 कनाल 12 मरला जमीन खरीदी थी। विक्रेता से जमीन का कब्जा लेने के बाद उसने जमीन पर पोल गाड़कर तारबंदी कर दी थी। उसने वहां दो कैमरे लगाए हुए थे। इस जमीन पर कोर्ट केस भी चल रहा है, जिसके चलते उसे स्टे मिला हुआ है। प्रदीप ने आरोप लगाया कि गांव के ही अमित व उसके साथ गए कुछ अन्य लोगों ने कैमरे तोड़ दिए। उसकी गेहूं की फसल काट दी। कैमरे व अन्य सामान चोरी कर लिया गया। उसके पास कैमरे तोड़ने और फसल कटाई करने का वीडियो भी मौजूद है। पुलिस ने उसकी शिकासत पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

रेवाड़ी। एनएसएस कैंप में पौधों का रखरखाव करती छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

एनएसएस शिविर में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नाहड़

- नाहड़ कॉलेज में एक दिवसीय एनएसएस कैंप का आयोजन

राजकीय महाविद्यालय नाहड़ में एक दिवसीय एनएसएस शिविर का आयोजन किया गया। एनएसएस प्रभारी प्रियंका कुमारी के संचालन में आयोजित शिविर की अध्यक्षता प्राचार्य डा. सूर्यपाल ने की। शिविर के दौरान स्वयं सेविकाओं ने लगाए गए पौधो की खुदाई की एवं पानी डालकर रखरखाव किया। स्वयं सेविकाओं ने महाविद्यालय प्रांगण में स्वच्छता अभियान भी चलाया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर एनएसएस प्रभारी ने कहा कि एनएसएस शिविर से हमें समाज सेवा एवं राष्ट्र सेवा करने का मौका मिलता है। लोगों को किसी भी समस्या के प्रति जागरूक कर सकते हैं।

प्राचार्य ने कहा कि विद्यार्थियों को एनएसएस शिविर में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए। इससे सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है और सहभागिता की भावना भी बढ़ती है। इस मौके पर सभी स्टॉफ सदस्य मौजूद थे।

आयोजन | बारा हजारी दुर्गा माता मंदिर व बड़ा तालाब मंसा माता मंदिर में भजन-कीर्तन का हुआ आयोजन

श्रृद्धालुओं ने मां ब्रह्मचारिणी को किया प्रसन्न, आज मां चंद्रघंटा की होगी पूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

चैत्र नवरात्र के दूसरे दिन शहर के मंदिरों में मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की विधि विधान से पूजा-अर्चना की गई। नवरात्र पर धार्मिक संस्थाओं तथा मंदिर कमेटियों की ओर से मंदिरों में सत्संग व अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। नवरात्र पर बारा हजारी दुर्गा मंदिर, नई बस्ती मंसा देवी मंदिर, बड़ा तालाब मंसा माता मंदिर, धारूहेड़ा चुंगी कालीमाता मंदिर व बारा पत्थर कालीमाता मंदिर सहित ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं। सोमवार को श्रद्धालुओं व महिला मंडल ने बारा हजारी स्थित दुर्गा मंदिर में मां भगवती की उपासना के लिए भजन कीर्तन का आयोजन किया। बड़ा तालाब स्थित मंसा माता मंदिर में भी संकीर्तन का आयोजन किया गया। दुर्गा अष्टमी पर बारा हजारी दुर्गा माता मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी तथा 6 अप्रैल को नवमी पर कंजिकाओं के पूजन के बाद हवन किया जाएगा।

रेवाड़ी। नवरात्र पर आकर्षक लाइटों से जगमग बड़ा तालाब मंदिर। बड़ा तालाब मंसा माता मंदिर में सजी माता की प्रतिमा। फोटो :हरिभूमि

मां चन्द्रघंटा की कृपा से साधक के समस्त पाप नष्ट हो जाते है

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति चन्द्रघंटा के नाम से जानी जाती है, नवरात्रि उपासना में तीसरे दिन इन्हीं के विग्रह का पूजन किया जाता है। मंगलवार को श्रृद्धालु मां चंद्रघंटा की पूरे विधि-विधान के अनुसार पूजा करेंगे। मां का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। मां के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचन्द्र है, इसी कारण इन्हें चन्द्रघंटा देवी कहा जाता है, माता के शरीर का अंग स्वर्ण के समान चमकीला है, मां चंद्रघंटा के 10 हाथ है, जिनमें अस्त्र- शस्त्र विभूषित हैं। मुद्रा सदैव युद्ध के लिए उद्धत रहती है। मां चन्द्रघंटा की कृपा से साधक के समस्त पाप और बाधाएं नष्ट हो जाती हैं। मां के घंटे की ध्वनि सदा अपने भक्तों की प्रेत बाधा से भी रक्षा करती है। दुष्टों का दमन और विनाश करने में सदैव तत्पर रहने के बाद भी इनका स्वरूप दर्शक और उपासक के लिए अत्यंत सौम्यता एवं शांति से परिपूर्ण रहता है। मां चन्द्रघंटा के भक्त व उपासक जहां भी जाते हैं, उन्हें देखकर शांति और सुख का अनुभव करते हैं।

रेवाड़ी। नवरात्र पर दुर्गा माता मंदिर में भजन-कीर्तन करती महिलाएं। फोटो :हरिभूमि